

(b) if so, the date from which they have been appointed?

The Deputy Minister of Communications (Shri Raj Bahadur) : (a) Yes, Sir.

(b) 1-10-1955.

Shrimati Ila Palchoudhury : May I know on what terms and for what period has this German Airline been appointed our agent for Air India International?

Shri Raj Bahadur : It is usual for the international Airlines to appoint corresponding Airlines in other countries as their booking agents. In many cases, Air India International is the booking agent for other international airlines. It is on mutual and reciprocal terms that these agencies are given to one another.

Shrimati Ila Palchoudhury : May I know whether it is cheaper to have our own offices, in view of what the Prime Minister said that we should deal directly?

The Minister of Communications (Shri Jagjwan Ram) : In our country it may be possible to have our own offices but in other countries where we touch only one or two points it is not feasible or cheaper to start our own agencies or offices all over that Country. If we appoint one internal airline of that country as our agent we get the advantage of the network of their branches throughout that country.

Ghat At Patna

*904. **Babu Ramnarayan Singh :** Will the Minister of Railways be pleased to state whether Government have received any recommendations from the Bihar Government for the provision of a permanent ghat at Patna in N.E. Railway?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shahnawaz Khan) : Yes, Sir.

बाबू रामनारायण सिंह : उस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही हो रही है ?

श्री शाहनवाज खां : फिलहाल तो कोई पक्का घाट बनाने का इरादा रेलवे का नहीं है।

बाबू रामनारायण सिंह : जब उसकी जरूरत है तो उसके लिये क्यों नहीं प्रबन्ध किया जा रहा है ?

श्री शाहनवाज खां : पहले यह सवाल सन् ४७ में उठाया गया था। उस वक्त गंगा पटना की तरफ बहुत करीब से जाती

थी, बाद में दरिया ने अपना रुख थोड़ा बदल लिया और इसलिये घाट के लिये जो पहली जगह छांटी गई थी, अब वह मुनासिब नहीं रही है।

श्री बिभूति मिश्र : क्या मंत्री जी को पता है कि पटना साइंस कालिज के सामने से यह गंगा नदी कभी नहीं हटी है तो क्या वहां पर एक पक्का घाट नहीं बनाया जा सकता है जिससे नार्थ बिहार से आने वाले मुसाफिरों को सुविधा हो ?

श्री शाहनवाज खां : फिलहाल तो रेलवे मिनिस্ট्री कोई पक्का घाट बनाने का इरादा नहीं रखती है क्योंकि दरिया मुक्तलिफ बक्त पर अपना रुख बदलती रहती है।

Rehabilitation of the Handicapped

*905. **Sardar Hukam Singh :** Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether any U. N. Experts have been assigned to a demonstration project for the rehabilitation of the handicapped; and

(b) if so, the names of such experts and of the countries they come from?

The Minister of Health (Rajkumari Amrit Kaur) : (a) Yes.

(b) Names of experts Nationality

1. Mr. Sidney Robbins Admini- U. S. A.
nistrator Vocational Expert.
2. Mile. Francoise Lamote, Belgium.
Occupational Therapist.
3. Mr Robert McAdam, Pyhsi- Norwe-
gian.
gian.
cal Therapist.

Sardar Hukam Singh : Are they required for any particular period for which the assignment is made or would they continue as long as they are needed?

Rajkumari Amrit Kaur : These experts have been allotted in the first instance for one year. This is a training centre and we are hoping to have our own people trained under them.

Sardar Hukam Singh : How many persons have been taken on for training by these experts for the present?

Rajkumari Amrit Kaur : That will depend on the States' response and how many they are willing to send.

Shrimati Ila Palchoudhury : May I know if these experts deal with mental handicaps or just physical handicaps?

Rajkumari Amrit Kaur : This centre is purely for the orthopaedically handicapped.

रेलों में भर्ती

*६११. **श्री अनिरुद्ध सिंह :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे प्रशासन स्थानीय काम दिलाऊ दफ्तरों से चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के स्थानों पर काम करने के लिये व्यक्तियों के नाम मांगते हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि केवल उसी प्रशासकीय जिले के काम दिलाऊ दफ्तरों से नाम मांगे जाते हैं जहाँ किसी रेलवे के जिले के मुख्यालय हैं ;

(ग) क्या सरकार को इस बात का पता है कि किसी जिले के काम दिलाऊ दफ्तरों से नाम मांगने के कारण स्थानीय व्यक्तियों को उनके अधिकार नहीं मिल पाते; और

(घ) यदि हां, तो क्या इस सम्बन्ध में कोई कार्यवाही की जाने वाली है ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री के सभासचिव (श्री शाहनवाज खां) : (क) से (घ). चौथे दर्जे में जब कभी किसी दफ्तर में जगहें खाली होती हैं, तो उस दफ्तर के नोटिस बोर्ड और रेलवे स्टेशनों पर नोटिस लगाकर अर्जी मांगी जाती है। स्थानीय काम दिलाऊ दफ्तर (Employment Exchange) को भी इसकी सूचना दी जाती है और नाम मांगे जाते हैं।

अन्तिम चुनाव करते समय सीधी आयी हुई अर्जियों और काम दिलाऊ दफ्तरों से आयी हुये नामों पर विचार किया जाता है ।

श्री अनिरुद्ध सिंह : क्या सरकार इस बात का आश्वासन दे सकती है कि भविष्य में जब चतुर्थ श्रेणी के मुलाजिमों की बहाली की जायेगी तो उन के नाम उन तमाम जिलों के काम दिलाऊ दफ्तरों से मांगे जायेंगे जहाँ पर कि बहाली हो रही है ?

श्री शाहनवाज खां : यही तरीका अब भी है कि उस इलाके में जितने एम्प्लायमेंट एक्स्चेन्ज हैं उन सब को इत्तला दी जाती है और अपने यहाँ से नाम भेजते हैं।

पंडित डी० एन० तिवारी : क्या मैं जान सकता हूँ कि अगर एक रेलवे जोन में बहुत से भर्ती के दफ्तर हों तो उन सबको सूचना दी जाती है या खास उसी डिस्ट्रिक्ट को सूचना दी जाती है जिस में की भर्ती होनी है ?

श्री शाहनवाज खां : उस जगह के करीब के यानी उसी रीजन में या उसी इलाके में जो दफ्तर होते हैं उन्हीं को खबर दी जाती है ।

पंडित डी० एन० तिवारी : क्या सरकार को मालूम है कि सोनपुर डिस्ट्रिक्ट में गत दो महीने पहले जो बहाली हुई थी १०० एंजिन क्लीनर्स की, तो छपरा से भेजे हुये नामों में से आदमी नहीं लिये बल्कि दूसरे एक्स्चेन्जेज से भेजे हुए नामों में से लिये गये ?

श्री शाहनवाज खां : जैसा मैं ने पहले अर्ज किया है कि जितने एम्प्लायमेंट एक्स्चेन्जेज हैं उन से भी नाम आते हैं और रेलवे दफ्तर में सीधी भी बराहारास्त दर्खास्ते आती हैं। अगर किसी की दर्खास्त किसी भी एम्प्लायमेंट एक्स्चेन्ज के जरिये न आ कर सीधी रेलवे दफ्तर में आ जाये तो उस पर भी विचार किया जाता है।

डा० राम सुभग सिंह : The reply to part (b) of the question is not clear. The question was whether it is also a fact that names are invited only from